Quarterly Newsletter

IMD NEWS

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
(Ministry of Earth Sciences)

Volume 15
JAN-MAR 2022
Number 1

In This Issue

आईएमडी स्थापना दिवस	p1
प्रेस विज्ञप्ति	p2
विशेष घटनाएँ	p3
आईडब्लूएम-7	p4
मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ	p5
बैठकें/वीसी	p6
बैठकें/वीसी	p7
व्याख्यान/बातचीत	p8
वेबिनार/पुरस्कार	p9
बुनियादी ढाँचा विकास एवं स्थापनाएँ	p10
अनुसंधान एवं प्रकाशन	p11
मीडिया इंटरेक्शन/आगंतुक	p12

Published by

India Meteorological Department,
MausamBhawan, Lodi Road,
New Delhi - 110 003
Tel. : 011- 24344298

https://mausamjournal.imd.gov.in/
email :
mausampublication@gmail.com

Edited by

Dr. S. D. Attri
Mr. Sunny Chug

Compiled by

Raj Kumar Verma
Dinesh Khanna | Laxmi Pathak
Anu Bhargava | Twinkle Grover

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का 147वां स्थापना दिवस

डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय राज्य मंत्री, डॉ. एम. रविचंद्रन, सचिव, एमओईएस, डॉ. एम. महापात्रा, डीजी, आईएमडी और डॉ. एस.डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी', आईएमडी स्थापना दिवस के दौरान

आईएमडी ने अपना 147वां स्थापना दिवस 14 जनवरी, 2022 को हाइब्रिड मोड में मनाया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि **डॉ. जितेंद्र सिंह**, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, राज्य मंत्री, प्रधान मंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकारविभाग द्वारा किया गया। माननीय मंत्री ने इसकी सटीक भविष्यवाणी और पूर्वानुमान और चेतावनियों के समय पर प्रसार के साथ जीवन और संपत्ति की सुरक्षा में आईएमडी की पहल और योगदान की सराहना की। उन्होंने इसकी अवलोकन और मॉडलिंग क्षमताओं को और बढ़ाने में हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। इस अवसर पर **डॉ. एम. महापात्र**, डीजी, आईएमडी के स्वागत भाषण के साथ आईएमडी द्वारा सेक्टर विशिष्ट और समय पर पूर्वानुमान प्रदान करने के लिए आईएमडी की अवलोकन, मॉडलिंग, पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए की गई पहल पर प्रकाश डाला। **डॉ. एम. रविचंद्रन**, सचिव, एमओईएस, द्वारा अध्यक्षीयसंबोधन, सम्मानित अतिथियों **श्री आर. के. माथुर**, लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल, श्री जामयांग त्सेरिंग नामग्याल, माननीय संसद सदस्य, लद्दाख, डॉ. के. सिवन, अध्यक्ष, इसरो द्वारा विशेष संबोधन और **डॉ. एस. डी. अत्री**, वैज्ञानिक 'जी' और आयोजन समिति के अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव किया गया।

चार (4) डॉपलर वेदर रडार (डीडब्ल्यूआर) अर्थात, वेरावली (मुंबई) में सी-बैंड पोलारिमेट्रिक, आयानगर (दिल्ली), पल्लीकरनई (चेन्नई) और लेह में एक्स-बैंड पोलरिमेट्रिक का उद्घाटन माननीय मंत्री और मुख्य अतिथि द्वारा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की अगस्त उपस्थिति में किया गया।

चार (4) पहल अर्थात (i) विमानन मौसम सेवाओं के लिए समर्पित वेबसाइट; (ii) खराब मौसम की निगरानी और पूर्वानुमान के लिए भू-स्थानिक सेवाएं; (iii) जलवायु खतरों और भेद्यता एटलस और (iv) "क्राउड सोर्सिंग मोबाइल ऐप" के माध्यम से सार्वजनिक अवलोकन प्रणाली का भी उद्घाटन माननीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

नौ (9) प्रकाशन, अर्थात, 2021 के लिए वार्षिक जलवायु विवरण, 2021 के दौरान उत्तर हिंद महासागर के ऊपर चक्रवाती गड़बड़ी पर रिपोर्ट, "उप-बेसिन-वार मात्रात्मक वर्षा के सत्यापन" पर रिपोर्ट, SW मानसून 2021 के दौरान पूर्वानुमान", क्षेत्रीय अनुप्रयोगों के लिए संख्यात्मक मौसम भविष्यवाणी (NWP) मॉडल उत्पाद, "भारतीय पावर ग्रिड के सुरक्षित, विश्वसनीय और आर्थिक संचालन के लिए मौसम की जानकारी का उपयोग" पर रिपोर्ट, "सूचना की मांग और इंटरमीडिएट के उपयोग व्यवहार" पर रिपोर्ट मौसम और जलवायु सेवाओं के उपयोगकर्ता, "भारतीय GNSS व्युत्पन्न IPWV के मौसम संबंधी अनुप्रयोगों" पर रिपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल मौसम, जनवरी 2022 अंक और मौसम मंजूशा को माननीय मंत्री द्वारा जारी किया गया।

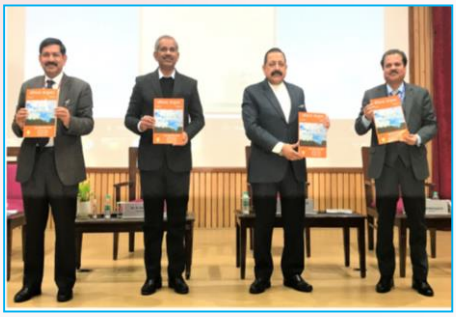

मौसम मंजूषा का विमोचन

प्रेस विज्ञप्ति

जनवरी-मार्च, 2022 के लिए वर्षा और तापमान का पूर्वानुमान

आईएमडी ने 3 जनवरी, 2022 को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जनवरी-मार्च, 2022 के लिए वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुख्य अंश नीचे दिए गए हैं:

(ए) **वर्षा** - जनवरी से मार्च 2022 के दौरान सात मौसम उपखंडों (पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और लद्दाख) से युक्त उत्तर भारत में औसत वर्षा सबसे अधिक है। सामान्य रहने की संभावना (दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 86 से 114%)। 2022 जनवरी के लिए मासिक वर्षा, उत्तर भारत में औसत सामान्य [>दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 124%] से ऊपर रहने की संभावना है।

(बी) **तापमान** - जनवरी 2022 के दौरान, उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों, पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी भारत के आसपास के क्षेत्रों में सामान्य से सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है। उत्तरी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। मध्य और प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। उत्तर भारत के कुछ हिस्सों और पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश इलाकों में सामान्य से सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।

(सी) **एसएसटी स्थितियां** - वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में मध्यम ला नीना की स्थिति प्रचलित है। नवीनतम मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली (एमएमसीएफएस) का पूर्वानुमान संकेत दे रहा है कि ये ला नीना स्थितियां जनवरी से मार्च के दौरान बने रहने की संभावना है और इसके बाद 2022 की दूसरी तिमाही के दौरान ठंडे ईएनएसओ तटस्थ स्थितियों तक पहुंचने के लिए कमजोर होने की संभावना है। वर्तमान में, तटस्थ आईओडी हिंद महासागर पर स्थितियां मौजूद हैं और नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान इंगित करता है कि तटस्थ आईओडी की स्थिति पूर्वानुमान अवधि के दौरान जारी रहने की संभावना है।

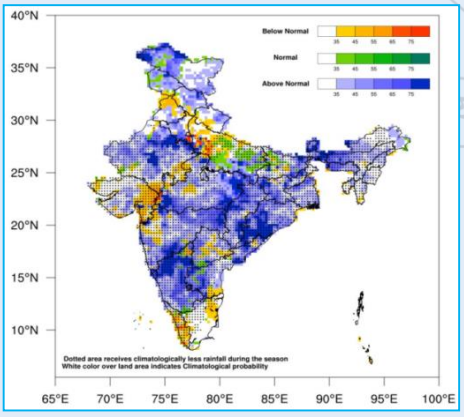

टरसील श्रेणियों का संभाव्यता पूर्वानुमान (सामान्य से कम, सामान्य और सामान्य से अधिक) वर्षा के लिए (जनवरी 2022)

फरवरी 2022 के दौरान वर्षा और तापमान

आईएमडी द्वारा 31 जनवरी, 2022 को जारी फरवरी 2022 के दौरान वर्षा और तापमान के लिए मासिक दृष्टिकोण की मुख्य विशेषताएं:

वर्षा - फरवरी 2022 के दौरान सात मौसम संबंधी उपखंडों वाले उत्तर भारत में औसत वर्षा सामान्य से अधिक होने की संभावना है [≥ दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 121%]।

तापमान - फरवरी 2022 के दौरान, पूर्वोत्तर भारत के पूर्वी हिस्सों, दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत और मध्य भारत के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य न्यूनतम तापमान से नीचे रहने की संभावना है, जहां सामान्य से सामान्य न्यूनतम तापमान से ऊपर रहने की संभावना है। प्रायद्वीपीय भारत के पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी तटीय क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है, जहां यह सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

एसएसटी स्थितियां - वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में कमजोर ला नीना की स्थिति बनी हुई है। नवीनतम मॉनसून मिशन क्लाइमेट फोरकास्ट सिस्टम (एमएमसीएफएस) के पूर्वानुमान से संकेत मिलता है कि ये ला नीना स्थितियां उत्तरी गोलार्ध के वसंत के मौसम से शुरू होकर कमजोर होने और 2022 की दूसरी तिमाही के दौरान ठंडे ईएनएसओ तटस्थ स्थितियों तक पहुंचने की संभावना है।

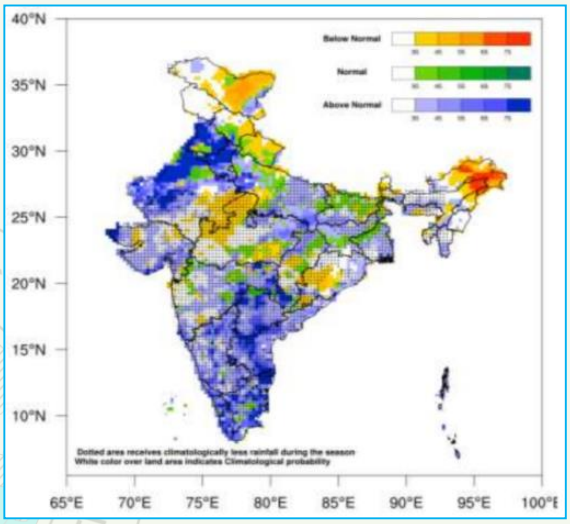

टरसील श्रेणियों का संभाव्यता पूर्वानुमान (सामान्य से कम, सामान्य और सामान्य से अधिक) वर्षा के लिए (फरवरी 2022)

मौसमी (मार्च से मई) और मासिक (मार्च) 2022 आउटलुक

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 1 मार्च 2022 को DGM की अध्यक्षता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मार्च से मई 2022 के लिए मौसमी तापमान आउटलुक और मार्च 2022 के लिए तापमान और वर्षा के लिए मासिक दृष्टिकोण जारी किया है। इसके मुख्य अंश इस प्रकार हैं:

(ए) **तापमान** - आगामी गर्म मौसम [मार्च से मई (एमएएम)] के दौरान, उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों, पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों, मध्य भारत के कुछ हिस्सों, पूर्वी तटीय इलाकों में सामान्य से सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान होने की संभावना है। क्षेत्र और हिमालय की तलहटी के साथ कुछ क्षेत्र। पश्चिम और मध्य भारत के आस-पास के क्षेत्रों, उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वोत्तर भारत के उत्तरी भागों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान की संभावना है। हालांकि, दक्षिण प्रायद्वीप के अधिकांश हिस्सों और पूर्व और पूर्वोत्तर भारत और उत्तरी मैदानी इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है। मार्च के दौरान, पूर्वी, दक्षिणपूर्वी और उत्तर पश्चिमी प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों को छोड़कर भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से सामान्य न्यूनतम तापमान के नीचे रहने की संभावना है। दक्षिण प्रायद्वीप तथा पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से सामान्य से कम अधिकतम तापमान रहने की संभावना है जबकि पश्चिमी और मध्य भारत के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान रहने की संभावना है।

(बी) **वर्षा** - मार्च 2022 में देश भर में औसत वर्षा सामान्य (एलपीए का 83-117%) रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के अधिकांश क्षेत्रों और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है। दक्षिण प्रायद्वीप के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है।

(सी) **एसएसटी स्थितियां** - वर्तमान में, भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में कमजोर ला नीना की स्थिति प्रबल है। ला नीना के उत्तरी गोलार्द्ध में वसंत ऋतु के दौरान कमजोर होने और 2022 की दूसरी तिमाही के दौरान ठंडे ईएनएसओ तटस्थ स्थितियों तक पहुंचने की संभावना है। वर्तमान में, तटस्थ आईओडी स्थितियां हिंद महासागर पर मौजूद हैं और नवीनतम एमएमसीएफएस पूर्वानुमान इंगित करता है कि तटस्थ आईओडी स्थितियां जारी रहने की संभावना है।

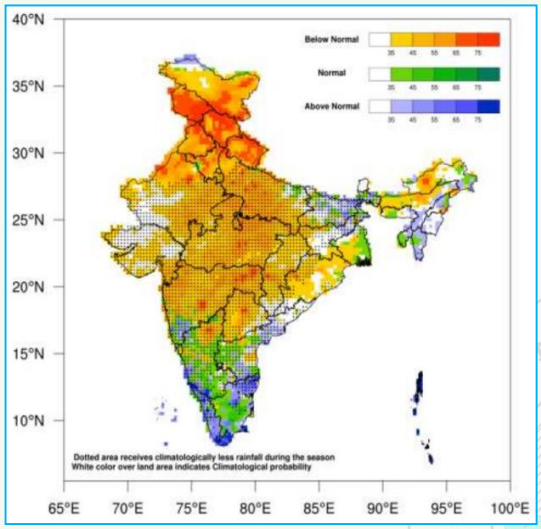

टर्सिल वर्षा श्रेणियों का संभाव्यता पूर्वानुमान (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से ऊपर) 22

विशेष घटनाएँ

समझौता ज्ञापन

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' द्वारा एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (DGH), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (INCOIS), नौवहन महानिदेशालय (DGS) और भारतीय तट रक्षक (ICG) के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की ओर से 22 मार्च, 2022 को डीजी, आईएमडी, डीजीएच और भाग लेने वाले संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में 'भारत में अपतटीय अन्वेषण और उत्पादन (ई एंड पी) ऑपरेटरों की विशिष्ट आवश्यकताओं के लिए एक विशेष एकीकृत मौसम पूर्वानुमान उपकरण विकसित करने' के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।

समझौते के पत्र

आईएमडी और मणिकरण एनालिटिक्स लिमिटेड ने **4** मार्च, **2022** को बिजली क्षेत्र के लिए मौसम सेवाओं पर अनुसंधान एवं विकास के लिए **डॉ. एम. महापात्र,** डीजी, आईएमडी की अध्यक्षता में समझौते के पत्र पर हस्ताक्षर किए।

विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2022

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने **23** मार्च, **2022** को विश्व मौसम विज्ञान दिवस मनाया। इस अवसर पर, आईएमडी मुख्यालय और आईएमडी के विभिन्न उप-कार्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें आईएमडी के विभिन्न प्रभागों और कार्यालयों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं पर प्रकाश डाला गया।

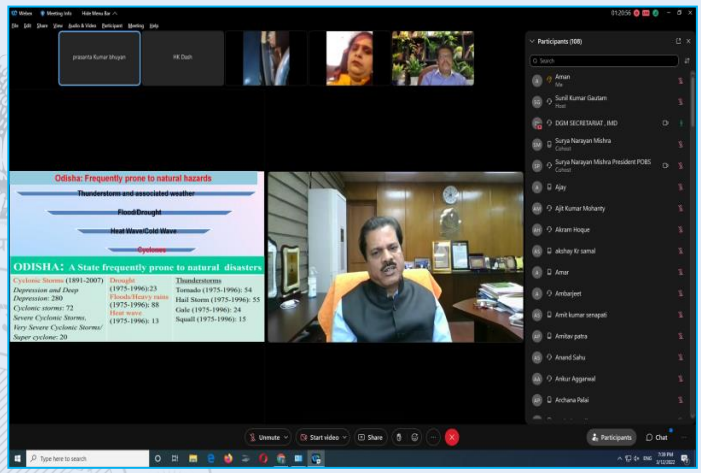

इस अवसर पर, आरएमसी चेन्नई ने डब्ल्यूएम दिवस को **"प्रारंभिक चेतावनी और प्रारंभिक कार्रवाई - आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए हाइड्रोमेटोरोलॉजिकल और जलवायु सूचना"** थीम के साथ मनाया। ओपन हाउस, मौसम संबंधी प्रदर्शनी और विषय पर वैज्ञानिक वार्ता की व्यवस्था की गई।

डॉ. एस. बालाचंद्रन ने मुख्य अतिथि डॉ. बालाजी नरसिम्हन, प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास का स्वागत किया

मीनांबक्कम वेधशाला, चेन्नई में डब्ल्यूएमओ दिवस पर आगंतुक

सीआरएस, पुणे ने **23** मार्च, **2022** को मौसम विज्ञान प्रदर्शनी और वेबिनार का आयोजन करके हाइब्रिड मोड में विश्व मौसम विज्ञान दिवस मनाया। मौसम विज्ञान और भूकंपीय उपकरणों का लाइव प्रदर्शन, छात्रों के लिए मौसम का अवलोकन करने के लिए **'बी ए वेदर ऑब्जर्वर'** खंड, एक लघु वृत्तचित्र प्रदर्शनी में **'एक्सपेडिशन टू अंटार्कटिका'** पर फिल्म दिखाई गई। छात्रों, वैज्ञानिकों, विद्वानों, पत्रकारों और आम जनता सहित लगभग **1300** लोगों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सभी आगंतुकों ने बड़े उत्साह के साथ अपनी टिप्पणियों को चिह्नित किया।

सीआरएस, पुणे में डब्ल्यूएम दिवस पर आगंतुक

मानसून पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला - 7 (आईडब्ल्यूएम-7)

मानसून पर 7वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (IWM-7) भारत मौसम विज्ञान विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार और WGTMR द्वारा संयुक्त रूप से WCRP CLIVAR/GEWEX मानसून पैनल, अंतर्राष्ट्रीय मानसून परियोजना कार्यालय (IMPO) 22-26 मार्च, 2022 के दौरान भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) और भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी (आईएमएस)के सहयोग से नई दिल्ली, भारत में आयोजित की गई।

आईएमडी द्वारा प्रकाशित पीयर-रिव्यूड जर्नल मौसम का एक विशेष अंक IWM-7 प्रकाशित करना एक मुख्य आकर्षण रहा।

मानसून पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (IWM) के प्रतिभागी

राजभाषायी निरीक्षण

दिनांक 11.01.2022 को प्रादेशिक मौसम केंद्र - नागपुर द्वारा मौसम कार्यालय-अकोला, मौसम कार्यालय-इंदौर तथा मौसम कार्यालय- सागर का ई निरीक्षण किया गया जिसमें सहायक निदेशक (रा.भा.) **श्रीमती सरिता जोशी** ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दिनांक 12.01.2022 को मौसम केंद्र - चंडीगढ़, मौसम केंद्र-लखनऊ तथा खगोल विज्ञान केंद्र – कोलकाता का राजभाषायी ई निरीक्षण श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (रा.भा.) द्वारा किया गया जिसमें पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्तं निदेशक (रा.भा.) श्री मनोज आबूसरिया भी उपस्थित रहे।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 12.02.2022 को मौसम केंद्र पटना का पटना में राजभाषायी निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण कार्यक्रम में मुख्यालय से डॉ. के. के. सिंह, वैज्ञानिक 'जी' तथा **श्रीमती सरिता जोशी** उपनिदेशक (राजभाषा) ने भाग लिया। मुख्यालय के वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री बीरेन्द्र कुमार भी निरीक्षण में सहयोग के लिए उपस्थित रहे।

दिनांक 18.02.2022 को मौसम केंद्र - शिमला, मौसम केंद्र - देहरादून, मौसम केंद्र – श्रीनगर और मौसम केंद्र – लेह का राजभाषायी ई-निरीक्षण उपनिदेशक (रा.भा.) **श्रीमती सरिता जोशी** द्वारा किया गया। निरीक्षण में **डॉ. के. के. सिंह**, वैज्ञानिक 'जी' तथा **श्री मनोज आबूसरिया**, संयुक्त निदेशक (रा.भा.) पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भी शामिल रहे।

दिनांक 21.2.2022 को प्रादेशिक मौसम केंद्र – नागपुर द्वारा मौसम कार्यालय – बिलासपुर और मौसम कार्यालय – अम्बिकापुर का राजभाषायी ई निरीक्षण किया गया जिसमें उपनिदेशक (रा.भा.) **श्रीमती सरिता जोशी** उपस्थित रहीं और आवश्याक दिशा निर्देश दिए।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा दिनांक 07.03.2022 को मौसम केंद्र अगरतला का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में मंत्रालय की **श्रीमती इंदिरामूर्ति**, संयुक्त सचिव, **श्री मनोज आबूसरिया**, संयुक्त निदेशक (रा.भा.) और मुख्यालय से **डॉ. शिवदेव अत्री**, वैज्ञानिक 'जी', **श्रीमती सरिता जोशी**, उपनिदेशक (रा.भा.) ने भाग लिया। श्री सचिन कादयान, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी भी निरीक्षण में सहयोग के लिए उपस्थित रहे। निरीक्षण सफल एवं संतोषजनक रहा।

माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा मौसम केंद्र अगरतला का निरीक्षण

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

माननीय मंत्री महोदय द्वारा अनुमोदित 7 सूत्री चार्टर से संबंधित कार्यान्वयन की समेकित रिपोर्ट तैयार कर के मंत्रालय को भेजी गई।

मानव संसाधन विकास गतिविधियाँ

ई-हिंदी कार्यशाला

मुख्यालय द्वारा दिनांक 25.03.22 कोई-हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली सहित विभिन्न कार्यालयों के लगभग 124 कार्मिकों ने भाग लिया। ई-हिंदी कार्यशाला का शुभारंभ महानिदेशक महोदय **डॉ. मृत्युंजय महापात्र** के संबोधन से हुआ। इस कार्यशाला में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (राजभाषा) **श्री मनोज आबूसरिया**, सेवानिवृत्त उपनिदेशक (रा.भा.) **सुश्री रेवा शर्मा**, **श्रीमती सरिता जोशी**, उपनिदेशक (राजभाषा) एवं वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी **श्री बीरेन्द्र कुमार** ने व्याख्यान दिए।

कार्यशाला

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 6 जनवरी, 2022 को एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित "**क्लाइमेट मॉडलिंग एंड रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन फॉर एनवायर्नमेंटल सिस्टम्स**" पर आयोजित 3 दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. महापात्र को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 2 मार्च को भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों के आपदा प्रबंधन नोडल अधिकारियों के लिए कार्यशाला में भाग लिया तथा भारत की और "**पूर्व चेतावनी प्रणाली**" पर प्रस्तुति दी।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 7-11 मार्च के दौरान "**तीसरी डब्ल्यूसीएसएसपी इंडिया वार्षिक कार्यशाला**" में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. बालाजी नरसिम्हन, प्रोफेसर, आईआईटी मद्रास ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया और बाढ़ पूर्वानुमान और आपदा जोखिम में कमी के लिए अत्यधिक शहरीकृत नदी घाटियों में हाइड्रोलॉजिकल और हाइड्रोलिक मॉडलिंग में चुनौतियों पर एक व्याख्यान दिया। **डॉ. पी. गुहाठाकुरता**, वैज्ञानिक 'एफ' ने कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया और व्याख्यान दिया। समारोह में क्लाइमेट हैजार्ड्स एंड वल्नेरेबिलिटी एटलस ऑफ इंडिया - स्टेट: तमिलनाडु की ई-बुक का भी विमोचन किया गया। डब्ल्यूएमओ दिवस पर लगभग 370 छात्रों ने मीनांबक्कम वेधशाला का दौरा किया।

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने **25** मार्च, **2022** को इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी) द्वारा सरकारी नेताओं के लिए आयोजित '**आपूर्ति श्रृंखला समस्याओं को हल करने के लिए एआई और ब्लॉकचैन का उपयोग**' शीर्षक से डिजिटल इंडिया संवाद क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।

बैठकें / वीडियो कॉन्फ्रेंस

श्री शिविंदर सिंह, वैज्ञानिक 'सी' और **श्री भाविश जेमिनी**, एस.ए. ने **03** जनवरी, **2022** को आयुक्त, नगर निगम चंडीगढ़ की अध्यक्षता में आयोजित '**स्मार्ट सिटीज ओपन डेटा पोर्टल (एससीओडीपी)**' के संबंध में एक बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने **4** जनवरी, **2022** को स्कूल ऑफ अर्थ साइंसेज, आईआईटी भुवनेश्वर के भवन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

श्री गजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' ने **09-01-2022, 18-01-2022,** और **08-03-2022** को सचिव, नागरिक उड्डयन मंत्रालय (**MoCA**) की अध्यक्षता में गठित समिति की बैठकों में भाग लिया, जो किकोझीकोड विमान दुर्घटना जांच रिपोर्ट की गई सिफारिशों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए थी।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक'जी' ने **11** जनवरी, **2022** को आईसीएमआर द्वारा आयोजित "**जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य**" की उच्चाधिकार प्राप्त समिति (पीआरसी) की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 12 जनवरी, 2022 को सदस्य और सचिव आई/सी, एनडीएमए की अध्यक्षता में टेरी और असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य हितधारकों के साथ "**गुवाहाटी शहर के लिए बाढ़ चेतावनी प्रणाली का विकास**" परियोजना के दूसरे और अंतिम वितरण पर चर्चा करने के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. (श्रीमती) के. नागा रत्न, वैज्ञानिक 'ई' ने 13-14 जनवरी, 2022 को तेलंगाना में "**वीवीआईपी - भारत के माननीय राष्ट्रपति**" की यात्रा के संबंध में 10 फरवरी, 2022को तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 19 जनवरी, 2022 को एमएम-III कार्यक्रम के तहत पहली एसआरएमसी बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) और कृषि विभाग, ओडिशा सरकारके द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "**कृषि के लिए भागीदारी एकीकृत जलवायु सेवाओं (पीआईसीएसए)**" पर संगोष्ठी में 19 जनवरी, 2022 को भाग लिया।

डॉ कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 19 जनवरी, 2022 को सचिव, एमओईएस की अध्यक्षता में "**आईएमडी में खरीद गतिविधियों की स्थिति**" पर ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 20 जनवरी, 2022 को "**डब्ल्यूएफपी भारत की नई देश सामरिक योजना 2023-27 पर राष्ट्रीय परामर्श**" पर विश्व खाद्य कार्यक्रम, भारत के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 20 जनवरी, 2022 को विश्व खाद्य कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित "**अनुकूलन निधि प्रस्ताव विकास**" पर बैठक की अध्यक्षता की।

एम.सी. चंडीगढ़ और **श्री मनमोहन सिंह**, वैज्ञानिक 'एफ' ने 24 जनवरी, 2022 को हरियाणा निवास, सेक्टर-3, चंडीगढ़ में माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा की अध्यक्षता में आयोजित हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 53$^{वीं}$ बैठक में भाग लिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा,** वैज्ञानिक 'डी', और **डॉ. आशा लटवाल,** वैज्ञानिक 'सी' ने आईसीएआर-एनआरसीजी, पुणे, आईएमडी, पुणे और एनआईसी के बीच सहयोगी परियोजना प्रस्ताव "**मौसम पूर्वानुमान, अलर्ट और अंगूर उत्पादकों के लिए सलाह के प्रसार**

के लिए मोबाइल ऐप 'अंगूर सलाहकार' का विकास" के लिए परियोजना घटकों पर चर्चा करने के लिए 27 जनवरी, 2022 को मुंबई ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ', **श्री राहुल सक्सेना**, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. अशोक कुमार दास**, वैज्ञानिक 'ई', **श्री अशोक राजा**, वैज्ञानिक'सी', **श्री एस. के. माणिक**, वैज्ञानिक 'सी' और **सुश्री हेमलता भरवानी**, वैज्ञानिक 'सी' ने 28 जनवरी, 2022 को भारत में दो चिन्हित स्थानों के लिए SASIAFFGS भूस्खलन संवर्द्धन पर सहयोगी पायलट चरण के काम के लिए HRC, GSI और NRSC के साथ ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

श्री यू. के. शेंडे, वैज्ञानिक 'ई' ने दिनांक 28 जनवरी, 2022 को "**विमानन मौसम निर्णय समर्थन प्रणाली की समीक्षा**" के संबंध में एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. ओ. पी. श्रीजीत, वैज्ञानिक 'ई' ने 31 जनवरी 2022 को "**एमओईएस एनडब्ल्यूपी एचपीसीएस**" बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 1 फरवरी, 2022 को भारतीय तटरक्षक बल के स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 3 फरवरी, 2022 को इंकॉइस के 24वें स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी और **डॉ. एस. डी. अत्री**, वैज्ञानिक 'जी' ने 3 फरवरी, 2022 को मंत्रालय के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, आईआईटीएम पुणे, एनसीएमआरडब्ल्यूएफ नोएडा, सेबी, नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 2 (बीसी) के तहत कमोडिटी डेरिवेटिव ट्रेडिंग के लिए अधिसूचित वस्तुओं की सूची में "**मौसम**" को शामिल करने परअतिरिक्त सचिव, वित्त मंत्रालय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लिया।

डॉ. (श्रीमती) के. नागा रत्न, वैज्ञानिक 'ई' ने 3 फरवरी, 2022 को तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव द्वारा हैदराबाद में "**वीवीआईपी - भारत के माननीय प्रधान मंत्री की यात्रा**" की व्यवस्था के लिए बुलाई गई एक समन्वय बैठक में भाग लिया।

डॉ. पुलक गुहाठाकुरता, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. दिव्या सुरेंद्रन**', वैज्ञानिक 'सी' ने 8 फरवरी, 2022 को क्षेत्रीय जलवायु केंद्र (RCC), पुणे द्वारा ऑनलाइन आयोजित आगामी ग्रीष्मकालीन मानसून SASCOF22 के लिए पूर्व-तैयारी बैठक में RCC IMD, पुणे, UK MET कार्यालय और RIMES के सहयोगियों ने भाग लिया।

श्री यू. के. शेंडे, वैज्ञानिक 'ई' ने 8 फरवरी, 2022 को डीजीएम, आईएमडी की अध्यक्षता में "**भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के साथ दृष्टि, आरवीआर, उपकरण पुर्जों आदि की चर्चा और लंबित मुद्दों**" पर एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा**, वैज्ञानिक 'डी' और **डॉ. आशा लटवाल**, वैज्ञानिक 'सी' 9 फरवरी, 2022 को आईएमडी, नई दिल्ली, आईएमडी, पुणे और आरएमसी और आईएमडी के एमसी के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ डीजीएम, आईएमडी, नई दिल्ली की अध्यक्षता में विजन 2047 के बारे में मंथन बैठक में भाग लिया।

डॉ. पुलक गुहाठाकुरता वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ. राजीव चट्टोपाध्याय**, वैज्ञानिक 'ई', और **डॉ. दिव्या सुरेंद्रन**, वैज्ञानिक 'सी' ने 11 फरवरी, 2022को राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीएचएच) वेबिनार श्रृंखला में भाग लिया और राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ भारत के जलवायु खतरों और भेद्यता एटलस पर ऑनलाइन बातचीत की ।

श्री यू. के. शेंडे, वैज्ञानिक 'ई' ने 11 फरवरी, २०२२ को मुख्यालय, नई दिल्ली में माननीय डीजीएम महोदय की अध्यक्षता में, "**मेट उपकरण के स्वदेशी विकास के कार्यात्मक समूह**" पर एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया तथा डिजिटल स्नो गेज स्थापना पर प्रस्तुतिकरण दिया।

श्री राजा आचार्य, मेट. 'ए', 14-16 फरवरी, 2022 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान और डेटा एक्सचेंज (अंतर सरकारी समुद्र विज्ञान आयोग) द्वारा ऑनलाइन आयोजित "**अंतर्राष्ट्रीय महासागर डेटा सम्मेलन 2022**" में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 15 फरवरी, 2022 को "**मौसम पूर्वानुमान के उपयोग के लिए सीओआरएस नेटवर्क**" के संबंध में **श्री आलोक प्रेम नागर**, संयुक्त सचिव, पंचायती राज मंत्रालय के साथ बैठक में भाग लिया।

श्री यू. के. शेंडे, वैज्ञानिक 'ई', ने 18 फरवरी, 2022 को मुख्यालय, नई दिल्ली में माननीय डीजीएम महोदय की अध्यक्षता में, "**एविएशन वेदर डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (AWDSS)**" पर एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 18 फरवरी, 2022 को सचिव, एमओईएफएंडसीसी की अध्यक्षता में 'अनुकूलन' पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 21 फरवरी, 2022 को आईएमएस पुणे द्वारा आयोजित 3 दिवसीय वार्षिक मानसून कार्यशाला (एएमडब्ल्यू-2021) और "**बदलती जलवायु और चरम घटनाओं के प्रभाव, शमन और महासागरों की भूमिका**" पर राष्ट्रीय ई-संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 22 फरवरी, 2022 को "**भारत भारती भाषा महोत्सव-2022: एक पर्दा उठाने वाला**" में भाग लिया।

श्री गजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' ने 22 फरवरी, 2022 को आगामी गोवा हवाई अड्डे पर वीसी के माध्यम से एएआई-आईएमडी-जीजीआईएएल के बीच संयुक्त समन्वय बैठक में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 23 फरवरी, 2022 को '**एग्रोमेट रिस्क मैनेजमेंट पर विशेषज्ञ टीम**', एसईआरकॉम, डब्ल्यूएमओ की बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 24 फरवरी, 2022 को अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा भारत में आयोजित "**हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी): ड्राइविंग इंडिया डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन**" में मुख्य भाषण दिया।

डॉ कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' और डॉ. आशा लटवाल, वैज्ञानिक 'सी' ने 24 फरवरी, 2022 को महाराष्ट्र कृषि विभाग द्वारा आयोजित "**आईएमडी और डीओए अनुप्रयोगों के बीच सलाहकार मॉड्यूल के एकीकरण पर चर्चा**" के लिए एक ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 24 फरवरी, 2022 को मौसम की भविष्यवाणी और कई वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ, इस एपिसोड के लिए माइक्रोसॉफ्ट सीरीज के पॉडकास्ट साक्षात्कार में भाग लिया।

श्री राजा आचार्य, मेट. 'ए' ने यूनेस्को के अंतर-सरकारी समुद्र विज्ञान आयोग (यूनेस्को-आईओसी) द्वारा आयोजित "**समुद्र स्तर चेतावनी और शमन प्रणाली (टीओडब्ल्यूएस-डब्ल्यूजी-एक्सवी)** से संबंधित सुनामी और अन्य खतरों पर कार्य समूह की पंद्रहवीं बैठक में एक पर्यवेक्षक के रूप 24-25 फरवरी, 2022 को ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया ।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 26 फरवरी, 2022 को मुख्य वक्ता के रूप में साल भर चलने वाले कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।

डॉ. एस.डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 28 फरवरी, 2022 को नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली में सुरक्षा (सुरक्षा) की अध्यक्षता में आयोजित '**राष्ट्रीय युद्ध पुस्तक**' पर बैठक में भाग लिया।

डॉ. संजय शर्मा, एनडीएमए के साथ "**एपीआई से संबंधित मामले w.r.t. वेब-डीसीआरए से संबंधित मोबाइल ऐप में एसएमएस और व्हाट्सएप फीचर**" का आयोजन आईएमडी में 3 मार्च, 2022 को डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी की अध्यक्षता में किया गया था।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 8 मार्च, 2022 को मलेरिया और जलवायु समाधान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशासरकार और आईएमडी द्वारा आयोजित मेफेयर लैगून, भुवनेश्वर में "**फोरकास्टिंग हेल्दी फ्यूचर्स कॉन्क्लेव**" में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। संयुक्त पहल का उद्देश्य ओडिशा राज्य में मलेरिया के कारण मृत्यु दर और रुग्णता को कम करना है।

डॉ. एम. महापात्रा, महानिदेशक, आईएमडी ने 8-9 मार्च, 2022 के दौरान तमिलनाडु सरकार के सहयोग से "**एसडीएमए के पहले क्षेत्रीय कॉन्क्लेव**" में भाग लिया, जिसमें तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, गोवा के 11 तटीय और द्वीपीय राज्य अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीवशामिल थे।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 8 मार्च, 2022 को विभिन्न संस्थानों/एजेंसियों द्वारा आयोजित "**सत्र ॥-वैज्ञानिक और तकनीकी नवाचारों**" में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 8 मार्च, 2022 को कटक में आयोजित "**सतत भविष्य के लिए कृषि (कृषि-दृष्टि 2022)**" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष सत्र में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 8 मार्च, 2022 को गुरुग्राम में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों (सीएक्यूएम) में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा आयोजित "**स्वच्छ वायु**" की ओर संवाद में भाग लिया।

डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'डी' ने 9 मार्च, 2022 को क्रिस्टोफर व्हाइट, स्ट्रेथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, यूके द्वारा "**उप-मौसमी-से-मौसमी भविष्यवाणियों के अनुप्रयोग और उपयोगिता में हालिया प्रगति**" पर ऑनलाइन वेबिनार में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 11 मार्च, 2022 को आईएमडी नई दिल्ली में गुरुराम और फरीदाबाद जिलों में '**एडब्ल्यूएस और वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली की स्थापना**' के लिए साइटों को अंतिम रूप देने के लिए जीएमडीए, गुड़गांव और आईएमडी अधिकारियों के बीच बैठक की अध्यक्षता की।

श्री बी. पी. यादव, वैज्ञानिक 'एफ', **डॉ अशोक कुमार दास**, वैज्ञानिक 'ई', **श्री एस.के. माणिक**, वैज्ञानिक 'सी', **श्री अशोक राजा**, वैज्ञानिक 'सी' और **सुश्री हेमलता भरवानी**, वैज्ञानिक 'सी' ने 11 मार्च, 2022 को **डॉ वी के मिनी**, वैज्ञानिक 'ई'द्वाराएफएमओ त्रिवेंद्रम के लिए 'सिनोप्टिक एनालॉग मॉडल' के प्रदर्शन के लिए की गई प्रस्तुति में वीसी के माध्यम से भाग लिया।

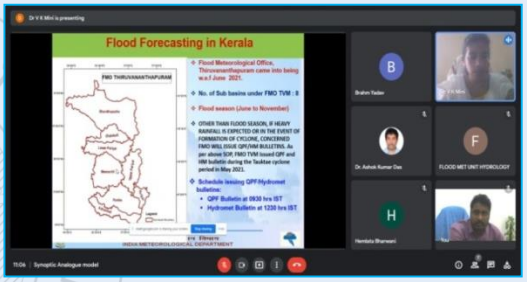

11 मार्च, 2022 को सिनॉप्टिक एनालॉग मॉडल का उपयोग करके बाढ़ का पूर्वानुमान

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 12 मार्च, 2022 को प्रवासी उड़िया समिति, नई दिल्ली द्वारा "**आत्मनिर्भर भारत के लिए पर्यावरण स्थिरता**" पर राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला के दौरान सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने परमाणु ऊर्जा उत्पादन केंद्रों के लिए '**मौसम पूर्वानुमान के प्रावधान**' के लिए 14 मार्च, 2022 को भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम (एनपीसीआईएल) के अधिकारियों के साथ आभासी बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 14 मार्च, 2022 को "**चक्रवात निगरानी और पूर्वानुमान के लिए उपग्रह अनुप्रयोग**" पर अल्पकालिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया।

श्री गजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' ने 15 मार्च, 2022 को आईएमडी और कन्नूर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (केआईएएल) के बीच समझौता ज्ञापन को नवीनीकृत करने के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केआईएएल कन्नूर के साथ वीसी के माध्यम से बैठक में भाग लिया।

श्री ए.के. सिंह, वैज्ञानिक 'ई' ने 16 मार्च, 2022 और 17 मार्च, 2022 को डीजीआरई चंडीगढ़ द्वारा एनआईटी सिक्किम के लिए डीजीआरई द्वारा एक्स-बैंड डीडब्ल्यूआर की खरीद के लिए आयोजित टीसीई बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 16 मार्च, 2022 को पोसोको के साथ "बिजली क्षेत्र की तैयारी के लिए मौसम सेवाएं" पर वीसी में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 17 मार्च, 2022 को तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रमुख वक्ता के रूप में संबोधित करने के लिए "**बहुआयामी उत्पादन रणनीतियों के माध्यम से जलवायु अनुकूल खेती**" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

एम.सी. चंडीगढ़ ने 17 मार्च, 2022 को जीकेएमएस योजना के तहत प्रगति पर चर्चा करने के लिए हरियाणा और पंजाब राज्यों के सभी एएमएफयू और डीएएमयू के साथ एक ऑनलाइन बातचीत बैठक आयोजित की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 17 मार्च, 2022 को तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बटूर द्वारा आयोजित "**जलवायु अनुकूल खेती के माध्यम से बहुपक्षीय उत्पादन रणनीतियों**" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक प्रमुख वक्ता के रूप में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 17 मार्च, 2022 को कैबिनेट सचिवालय में "**राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति**" की बैठक में भाग लिया और अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव वाले क्षेत्र की स्थिति पर एक प्रस्तुति दी।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने गोवा में "**अंतर्राष्ट्रीय हिंद महासागर विज्ञान सम्मेलन (आईआईओएससी-2022)**" में भाग लिया और 18 मार्च, 2022 को "**समुद्री मौसम खतरों 14-चरम घटनाओं और उनके प्रभावों**" पर सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 18 मार्च, 2022 को लीड स्पीकर के रूप में "**टीएनएयू-फसल प्रबंधन निदेशालय - स्वर्ण जयंती वर्ष अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2022**" में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने '**वार्षिक हिंदी वैज्ञानिक संघोस्ती**' का उद्घाटन किया और 21 मार्च, 2022 को मुख्य अतिथि के रूप में एनसीएमआरडब्ल्यूएफ में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 21-25 मार्च, 2022 के दौरान "**नौकास्टिंग के लिए उत्पादों की व्याख्या और अनुप्रयोग**" पर कार्यशाला की तैयारियों का अवलोकन करने के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. कृपाण घोष, वैज्ञानिक 'एफ' ने 23 मार्च, 2022 को सचिव **DoWR RD & GR** द्वारा आईटी आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली **viz** "**एकीकृत जल और फसल सूचना और प्रबंधन प्रणाली** (IWCIMS)"के विकास के लिए भारत सरकार के विभिन्न संगठनों / विभागों से प्राप्त फीडबैक की प्रगति और स्थिति की समीक्षा करने के लिए ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 24 मार्च, 2022 को "**जलवायु लचीलापन निर्माण और परिपत्र अर्थव्यवस्था में संक्रमण**" पर सम्मेलन में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 24 मार्च, 2022 को श्री कृष्ण एस. वत्स की अध्यक्षता में देश में बिजली गिरने से होने वाली मौतों को कम करने के लिए आवश्यक विभिन्न उपायों पर चर्चा करने के लिए बैठक में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 25 मार्च, 2022 को "**जलवायु परिवर्तन और जल संपर्क पर सीआईआई सम्मेलन: जल सुरक्षित भविष्य के लिए जोखिम से लचीलेपन की ओर बढ़ना**" में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने "**डब्ल्यूएमओ की अंतर्राष्ट्रीय मानसून कार्यशाला -7**" के उद्घाटन समारोह में भाग लिया और 26 मार्च, 2021 को एक सत्र की अध्यक्षता की।

श्री गजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' और **सी.एस. तोमर**, वैज्ञानिक'ई' ने वीसी के माध्यम से 28-30 मार्च, 2022 तक "आईसीएओ एमईटी/आईई डब्ल्यूजी/20: मौसम संबंधी सूचना विनिमय कार्य समूह की बीसवीं बैठक" में भाग लिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 30 मार्च, 2022 को "**भारतीय मानक ब्यूरो की सीईडी 59 स्मार्ट सिटी अनुभागीय समिति**" में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी ने 31 मार्च, 2022 को "**एसओएफएफ पीयर एडवाइजर्स किक ऑफ मीटिंग**" में भाग लिया।

मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष **2022** की पहली तिमाही बैठक (**158**वीं तिमाही बैठक) महानिदेशक महोदय की अनुमति से डॉ. शिवदेव अत्री वैज्ञानिक 'जी' की अध्यक्षता में दिनांक 30.03.2022 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई। इस बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (राजभाषा) **श्री मनोज आबूसरिया**, मुख्यालय के अधिकारी तथा उपकार्यालयों के प्रमुख/प्रतिनिधि वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। अंत में महानिदेशक महोदय ने भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

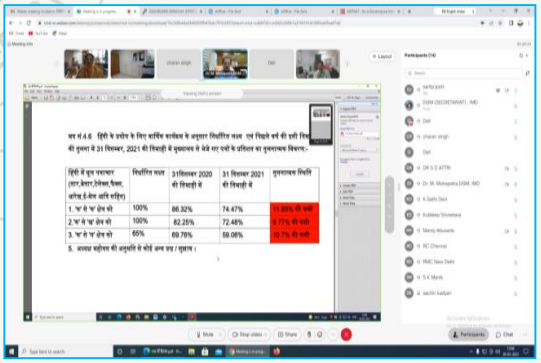

मुख्यालय की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2022 की पहली तिमाही बैठक

व्याख्यान/बातचीत

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 6 जनवरी, 2022 को एनआईडीएम द्वारा आयोजित "**एसटीआईपी के कार्यान्वयन के अवसरों पर तकनीकी सत्र**" में विशिष्ट विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 12 जनवरी, 2022को भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों में आपदा प्रबंधन के नोडल अधिकारियों के लिए कार्यशाला में "**भारत में आपदा प्रबंधन का अवलोकन**" पर तकनीकी सत्र के दौरान भारत में प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 8 फरवरी, 2022 को एलबीएसएनएए, मसूरी द्वारा आयोजित **"सामुदायिक स्तर आपदा न्यूनीकरण में वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका"** पर 7 - 11 फरवरी, 2022 के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में **"जलवायु परिवर्तन शमन: विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अर्थशास्त्र और नीति की भूमिका"** पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने 25 फरवरी, 2022 को **'विज्ञान सर्वत्र पूजाते' के अवसर पर 'मौसम और जलवायु सेवाओं में उन्नति'** पर हिंदी में व्याख्यान दिया।

डॉ. एस.डी. अत्री, वैज्ञानिक, 'जी' बात के दौरान

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 14 मार्च, 2022 को एनआईएएस बेंगलुरु में **"विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार कार्यक्रम (एसटीआईपी) के संदर्भ में मौसम की भविष्यवाणी"** पर एक व्याख्यान दिया।

वेबिनार

डॉ. कुलदीप श्रीवास्तव, वैज्ञानिक 'ई' ने 15-17 मार्च, 2022 के दौरान टीईओजी और एनआरएससी की भुवन वेब सर्विसेज द्वारा आयोजित 3-दिवसीय वेबिनार-आधारित **"भुवन अवलोकन"** प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

राजा आचार्य, मेट. 'ए' ने 30 मार्च, 2022 को वितरित ध्वनिक प्रणाली अनुसंधान समन्वय नेटवर्क (डीएएस आरसीएन) समुद्री भूभौतिकी कार्य समूह और आईआरआईएस (भूकंप विज्ञान के लिए निगमित अनुसंधान संस्थान) द्वारा आयोजित वेबिनार **"सीफ्लोर फाइबर ऑप्टिक सेंसिंग"** में भाग लिया।

आउटरीच कार्यक्रम

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी उद्घाटन समारोह के दौरान

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 23 जनवरी, 2022 को इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की होलोग्राम प्रतिमा के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने भारत में एंड टू एंड साइक्लोन रिस्पांस सिस्टम की सराहना की, जिसने हाल के वर्षों में मृत्यु दर में कमी आई है।

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक 'जी' ने जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा 7-12 मार्च, 2022 तक आयोजित **"पर्यावरण स्थिरता के लिए प्रौद्योगिकी में हालिया प्रगति (रेट्स)"** पर अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में 12 मार्च को मुख्य अतिथि भाषण दिया।

प्राप्त नामांकन/प्रशंसा/पुरस्कार

सक्षम प्राधिकारी ने 14 जनवरी, 2022 को '147वें आईएमडी स्थापना दिवस' के अवसर पर निम्नलिखित पुरस्कारों को मंजूरी दी है।

सर्वश्रेष्ठ आरएमसी/एमसी	:	**एम.सी. जयपुर,**
सर्वश्रेष्ठ एएमओ/एमडब्ल्यूओ/एएमएस	:	**एएमओ इंदौर**
सर्वश्रेष्ठ डीडब्ल्यूआर	:	**गोवा**
बेस्ट एमओ	:	**बिलासपुर**
राजभाषा शील्ड	:	**P.A.C. कोलकाता**

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार

(ग्रुप-ए राजपत्रित):

डॉ. वी. पी. सिंह, वैज्ञानिक 'सी', एम.सी. भोपाल

ग्रुप बी वैज्ञानिक (राजपत्रित) :

1. श्री एस.के. शर्मा, मेट. 'ए', डीजीएम कार्यालय, नई दिल्ली
2. श्री पी.एस. चिंचोले, मेट. 'ए', आरएमसी नागपुर

ग्रुप बी राजपत्रित (वैज्ञानिक-गैर) :

श्री गगन दीप, ए.ओ. द्वितीय, डीजीएम कार्यालय, नई दिल्ली

ग्रुप बी (अराजपत्रित) वैज्ञानिक:

1. श्री संजय दामोदर रसकर, एस. ए., सीआरएस पुणे,
2. सुश्री आर. वी. दीपा, एस.ए., आरएमसी चेन्नई

ग्रुप बी (अराजपत्रित) गैर वैज्ञानिक:

श्री अनुज सिन्हा, सहायक, आरएमसी मुंबई

ग्रुप सी स्टाफ (नॉन एमटीएस):
श्री तापस हाजरा, यूडीसी, आरएमसी कोलकाता

ग्रुप सी (एमटीएस):

श्री के. वाई. पोतकुले, एमटीएस, आरएमसी मुंबई

केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक और खेल बोर्ड (CCSCSB) (DoPT) द्वारा आयोजित अंतर मंत्रालयी टूर्नामेंट 2021-22 में भारत मौसम विज्ञान विभाग का प्रदर्शन

आईएमडी को यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि उसके कर्मचारियों ने इंटर मिनिस्ट्री टूर्नामेंट 2021-22 में भाग लिया और खेल

और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अनुकरणीय प्रदर्शन किया। आईएमडी का मान बढ़ाने के लिए निम्नलिखित अधिकारियों को बधाई।

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	विजेताओं का नाम	पद अर्जित किया
1.	पावर लिफ्टिंग (सर्वश्रेष्ठ काया)	श्री रोहित वशिष्ठ	सिल्वर
2.	एथलेटिक्स (10000 मीटर दौड़)	समुन्द्र सिंह	सिल्वर
3.	कैरम	श्री सैयद मो. अली	ब्रॉन्ज
4.	बैडमिंटन (युगल)	श्री प्रवीण घिल्डियाल श्री अनूप कंडारी	ब्रॉन्ज
5.	बैडमिंटन वेटरन (एकल)	सुश्री रेणु वर्मा	ब्रॉन्ज
6.	बैडमिंटन वेटरन (युगल)	सुश्री रेणु वर्मा सुश्री सुनीता रानी	ब्रॉन्ज
7.	समूह लोकनृत्य	सुश्री रिदम नस्वा सुश्री शिवली सुश्री देवरक्षांजलि श्रीवास्तव सुश्री शिखा वर्मा सुश्री दिव्या कुमारी सुश्री रश्मी कुमारी सुश्री लक्ष्मी पाठक सुश्री ट्विंकल ग्रोवर	ब्रॉन्ज
8.	अखिल भारतीय शतरंज टूर्नामेंट 2021-22	सुश्री कोमल श्रीवास्तव	महिला टीम शतरंज प्रतियोगिता में 5वें बोर्ड में प्रथम पुरस्कार
9.	आजादी का अमृत महोत्सव	**बैडमिंटन सिल्वर** (महिला एकल) सुश्री मालिनी ठाकुर **बास्केटबाल** सुश्री रिदम नस्वा **बैडमिंटन** (महिला डबल) सुश्री रिदम नस्वा और सुश्री निशा सिल्वर	सिल्वर सिल्वर ब्रॉन्ज

श्री प्रवीण के. घिल्डियाल, मौसम. 'ए' ने कांस्य पदक जीता

निम्नलिखित अधिकारियों को वर्ष 2021 के लिए उनके शोध योगदान के लिए प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ।

क्र.सं.	नाम	पदनाम	पर तैनात हैं
1.	श्री रिजवान अहमद	मौसम विज्ञानी 'ए'	आईएमडी, नई दिल्ली
2.	श्री राजा आचार्य	मौसम विज्ञानी 'ए'	आरएमसी, कोलकाता
3.	सुश्री कविता नवरिया	वैज्ञानिक सहायक	आईएमडी, नई दिल्ली
4.	श्री विक्रम पराशर	मौसम विज्ञानी 'ए'	आईएमडी, नई दिल्ली
5.	श्री आशीष त्यागी	वैज्ञानिक सहायक	आईएमडी, नई दिल्ली
6.	.श्री अतुल कुमार वर्मा	वैज्ञानिक सहायक	आईएमडी, नई दिल्ली
7.	श्री पी. पी. बाबूराज	वैज्ञानिक सहायक	आरएमसी, चेन्नई
8.	.श्री समुद्रला वेंकट जगन्नाथ कुमार	मौसम विज्ञानी 'ए'	सीडब्ल्यूसी, विशाखापत्तनम
9.	श्री अरुण शर्मा	मौसम विज्ञानी 'ए'	आईएमडी, नई दिल्ली

डॉ. एम. महापात्र, डीजी, आईएमडी विजेताओं और आईएमडी रिक्रिएशन क्लब, दिल्ली कार्यकारी निकाय के साथ

उद्घाटन के अवसर पर आईएमडी और एमओईएस के कर्मचारी 22 फरवरी, 2022 को 'विज्ञान सर्वत्र पूजाते'

अवसंरचना विकास और प्रतिष्ठान

डॉ. शंकर नाथ, वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में श्री विकास मीणा, एस.ए. द्वारा विकसित **"पब्लिक ऑब्जर्वेशन"** नामक क्राउड-सोर्स ऐप। आईएमडी के स्थापना दिवस के अवसर पर 'ई' लॉन्च किया गया था।

संचयी वर्षा (मिमी) और पानी की मात्रा (टीएमसी) की पूर्ण गणना। जून, 2021 से भारत के नदी उप-बेसिन के लिए हर सप्ताह तदनुरूपी मानचित्र तैयार किए जा रहे हैं।

सीडब्ल्यूसी विशाखापत्तनम, एम.सी. की वेबसाइटें अगरतला, एम.सी. अहमदाबाद, एम.सी. अमरावती, एम.सी. चंडीगढ़, एम.सी. ईटानगर, एम.सी. जयपुर, एम.सी. लेह, एम.सी. लखनऊ, एम.सी. पटना, एम.सी. शिलांग को हिंदी भाषा में परिवर्तित कर दिया गया है।

कुशीनगर (उत्तर प्रदेश), सिंधुदुर्ग (महाराष्ट्र) में **नए हवाई अड्डे** शुरू हुए।

77 भंगुर मस्तूल और वर्तमान मौसम की स्थापना।

इंस्ट्रूमेंट सिस्टम (CWIS) 60 हवाई अड्डों पर पूरा हुआ।

दिल्ली, हैदराबाद, कोझिकोड, पाकयोंग, पटना और शिरडी हवाई अड्डों पर वर्तमान मौसम और दृश्यता सेंसर स्थापित किया गया है।

CEL (सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड) द्वारा निर्मित दृष्टि प्रोटोटाइप IGI हवाई अड्डे, दिल्ली में स्थापित किया गया है और निगरानी में है।

दो नं. मार्च, 2022 के दौरान अनुकूलित वर्षा सूचना प्रणाली और हाइड्रोलॉजिकल सेवाओं के लिए हार्डवेयर समर्थन के रूप में 28 टीबी एनएएस भंडारण के साथ उच्च अंत सर्वरों की कमीशनिंग की गई थी।

डॉ. एस. बालचंद्रन, वैज्ञानिक, 'एफ' ने 6 जनवरी, 2022 को एनआईओटी चेन्नई परिसर, पल्लीकरनई में स्थापित "एक्स बैंड रडार की ड्रोन आधारित अंशांकन गतिविधियों" में भाग लिया।

श्री हिमाद्री वैश्य, वैज्ञानिक, 'सी' और श्री पी. दत्ता, मेक-I, सीआरएस पुणे की स्थापना पार्टी के साथ "सेलकॉम एडब्ल्यूएस और स्नो गेज सेंसर" की स्थापना के लिए तवांग और बोमडिला (अरुणाचल प्रदेश) के लिए रवाना हुए। 17-26 जनवरी, 2022।

(i) यामेंग जलविद्युत परियोजना, अरुणाचल प्रदेश और (ii) काटापति बैराज, महाराष्ट्र के लिए दो डिजाइन तूफान अध्ययन पूरे हो गए हैं और मूल्य संबंधित परियोजना प्राधिकरण को भेज दिए गए हैं।

परियोजना नलगंगा बांध, महाराष्ट्र पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की गई है और संबंधित परियोजना प्राधिकरण को भेजी गई है।

ग्रुप कैप्टन के अनुरोध पर, कमांड मेट अधिकारी, डिफेंस एक्सपो 0600 यूटीसी और 0800 यूटीसी स्पेशल पीबी के एक हिस्से के रूप में रिवर फ्रंट, अहमदाबाद पर एयर डिस्प्ले के संचालन के संबंध में आरोहण w.e.f. 23/02/2022 से 04/03/2022 तक लिया गया और IAF को डेटा प्रदान किया गया।

नई परियोजनाएं/योजनाएं/कार्यक्रम अनुमोदित/आरंभ किए गए

गंगा ब्रह्मपुत्र मेघना बेसिन में HydroSoS परियोजना

ग्लोबल हाइड्रोलॉजिकल स्टेटस एंड आउटलुक सिस्टम (HydroSOS) विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) कांग्रेस (CG-18 पर संकल्प 25) द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल है और इसका उद्देश्य वर्तमान हाइड्रोलॉजिकल स्थिति और इसके दृष्टिकोण (से) का आकलन करने में सक्षम एक परिचालन प्रणाली प्रदान करना है। उप-मौसमी से मौसमी समय सीमा तक) दुनिया भर में। प्रणाली के विकास का पहला चरण दक्षिण एशिया के गंगा ब्रह्मपुत्र मेघना (जीबीएम) बेसिन में चिन्हित पायलट परियोजनाओं की स्थापना है। पायलट स्टडी बेसिन में बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल शामिल हैं। सभी NMHS, IMD, CWC, NCMRWF, MoES को इसके कार्यान्वयन के लिए भागीदारों से जुड़े इस सहयोगी परियोजना पर पूर्व-अवधारणा नोट को हाइड्रोमेट डिवीजन, IMD द्वारा 22-23 नवंबर 2021 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के बाद अनुमोदित किया गया है।

दक्षिण एशिया कार्यक्रम के लिए फ्लैश फ्लड गाइडेंस सर्विसेज के तहत हालिया पहल

भारतीय उपमहाद्वीप के संवेदनशील पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन से जुड़ी आकस्मिक बाढ़ की बेहतर भविष्यवाणी के लिए भूस्खलन संवेदनशीलता मॉड्यूल का फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम में एकीकरण। पिछले कुछ बाढ़ के मौसम के दौरान उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले और केरल के वायनाड जिले में इन घटनाओं को तेजी से देखा गया है। इसलिए, जीएसआई, एनआरएससी, आईएमडी और एचआरसी के सहयोग से दो स्थानों में भूस्खलन संवेदनशीलता क्षेत्रीकरण पर पायलट अध्ययन करना अनिवार्य है।

शहरी शहरों की वास्तविक समय बाढ़ निगरानी के लिए फ्लैश फ्लड गाइडेंस सिस्टम में शहरी बाढ़ मॉड्यूल का एकीकरण। इस संदर्भ में, बढ़ती विकास क्षमता, अचानक बाढ़/जल जमाव की भेद्यता, उपलब्ध आवश्यक डेटासेट, डॉपलर मौसम रडार डेटा, आदि के आधार पर शहरी बाढ़ मॉडलिंग पर पायलट अध्ययन के लिए दिल्ली का चयन किया गया है।

अनुसंधान और प्रकाशन

मौसम (खंड **73**, अंक 1), जनवरी, 2022 अंक में बीस (20) शोध लेख प्रकाशित किए गए हैं।

वाई. ई. ऐ. राज और **बी. अमुधा**, 2022, "**उत्तर पूर्व मानसून के मौसम के दौरान तटीय तमिलनाडु पर वर्षा के दैनिक चक्र की सीमा और इसकी अंतर-मौसमी भिन्नता**", *मौसम*, **73**, 1, 1-18,https://doi.org/10.54302/mausam.v73i1.4984।

रंजन फुकन और **डी. साहा**, 2022, "**त्रिपुरा में वर्षा के रुझान का विश्लेषण**", *मौसम*, **73**, 1, 27–36, https://doi.org/10.54302/mausam.v73i1.5078।

बिक्रम सिंह और **रोहित थपलियाल**, 2022, "**मानसून सीजन 2017 के दौरान उत्तराखंड में बादल फटने की घटनाएं और उनका विश्लेषण**", *मौसम*, **73**, 1, 91–104, https://doi.org/10.54302/mausam.v73i1.5084।

सिंह, वी.पी., **मैथ्यू, जे.** और **वर्मा, आई. जे.**, 2022, "**इंटर-स्पेशियल हीट वल्नरेबिलिटी असेसमेंट ऑफ समर - 2018 ओवर मध्य प्रदेश यूजिंग डिसफंर्टी (विंड एंड थर्मल) इंडेक्स**", *मौसम*, **73**, 1, 105-114, https://doi.org/10.54302/mausam.v73i1.5085।

संदीप निवडांगे, **चिन्मय जेना**, **पूजा वी. पवार**, **गौरव गोवर्धन**, **श्रेयशी देबनाथ**, **संतोष कुलकर्णी**, **प्रसन्ना लोनकर**, **आकाश विस्पुते**, **नरेंद्र धनगर**, **अविनाश परदे**, **प्रदीप अचरजा**, **विनोद कुमार**, **प्रफुल्ल यादव**, **रचना कुलकर्णी**, **मनोज खरे** और **एन.आर. करमलकर**, 2022, "**नेशनवाइड CoViD-19 लॉकडाउन इम्पैक्ट ऑन एयर क्वालिटी इन इंडिया**", *मौसम*, **73**, 1, 115-128, https://doi.org/10.54302/mausam.v73i1.1475।

प्रशांत दास और **सोमनाथ दत्ता**, 2022, "**कॉर्नर माउंटेन द्वारा उत्तेजित आंतरिक गुरुत्व तरंगों से जुड़े फ्लक्स के लिए एक गणितीय मॉडल**", *मौसम*, **73**, 1, 181-188, https://doi.org/10.54302/mausam.v73i1.5091.

प्रवत्रबी नस्कर, 2022, "**हाल के दशकों में कोलकाता (भारत) में वर्षा, तापमान और थंडरस्टॉर्म में बदलाव**", *मौसम*, 73, 1, 193-202, https://doi.org/10.54302/ mausam.v73i1.5093।

अजहरुद्दीन मोहम्मद, सतीश कुमार रेगोंडा, नागा रत्न कोप्पार्थी, 2022, "**क्लाइमेटोलॉजिकल फीचर्स ऑफ हाई टेम्पोरल रेजोल्यूशन रेन ओवर द हैदराबाद सिटी, इंडिया**", *अर्बन क्लाइमेट*, **42**, मार्च 2022, 101118।

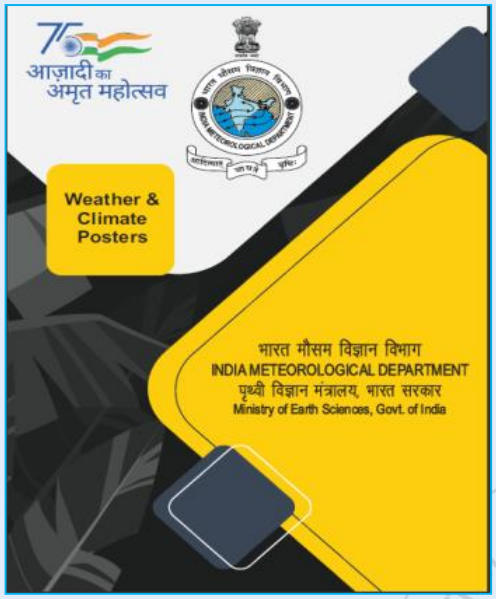

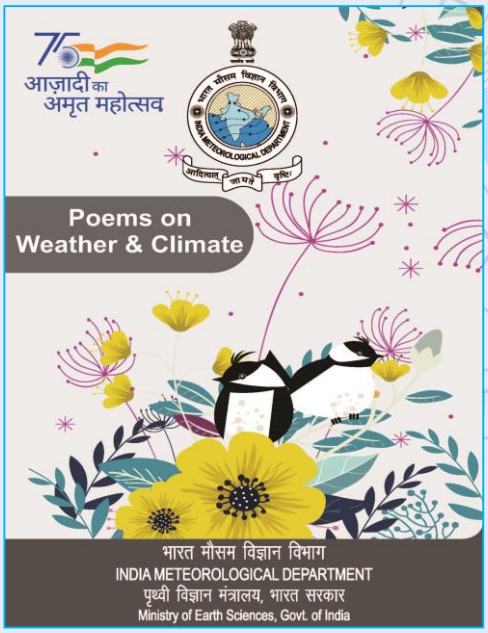

स्वंत्रता के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत दौरान 18-24 अक्टूबर, 2021 के दौरान आईएमडी द्वारा प्राप्त कविताओं और पोस्टरों का संकलन संपादित ।

मीडिया इंटरेक्शन

डॉ. एस. डी. अत्री, वैज्ञानिक, 'जी' ने 21 जनवरी, 2022 को आकाशवाणी नई दिल्ली में "**मौसम और कृषि**" पर कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. एम. महापात्रा, महानिदेशक, आईएमडी ने 18 फरवरी, 2022 को आकाशवाणी द्वारा प्रसारित "**मेघ विद्या**" विषय पर "सुनने की शक्ति" कार्यक्रम की 21वीं कड़ी में "**मौसम पूर्वानुमान के प्राचीन भारतीय ज्ञान**" पर चर्चा की। प्रसारण कार्यक्रम https://youtu.be/a07Lv8j2iX8 पर भी उपलब्ध है।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 2 मार्च, 2022 को "**सीएसई के वार्षिक मीडिया कॉन्क्लेव**" में भाग लिया और "**चरम मौसम की घटनाओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव**" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. एम. महापात्र, महानिदेशक, आईएमडी ने 11 मार्च, 2022 को "**चक्रवात प्रबंधन**" पर दूरदर्शन द्वारा आयोजित वर्चुअल पैनल डिस्कशन शो में भाग लिया।

श्री मनमोहन सिंह, वैज्ञानिक 'एफ' ने 23 मार्च, 2022 को दूरदर्शन चंडीगढ़ पर "**विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2022**" के अवसर पर "पंजाब राज्य के लिए आईएमडी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं" विषय पर एक ऑनलाइन वार्ता की।

WM दिवस 2022 की थीम पर रेडियो और टीवी वार्ता: डॉ. एस. बालचंद्रन, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा "**प्रारंभिक चेतावनी और प्रारंभिक कार्रवाई पर एक वार्ता - हाइड्रो-मौसम विज्ञान और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए जलवायु सूचना**" एफएम रेनबो 101.4 मेगाहर्ट्ज द्वारा 23.03.22 को 10:02 IST पर प्रसारित किया गया था।

आगंतुकों

नागांव कॉलेज (असम) के पंद्रह (15) छात्रों ने 4 जनवरी, 2022 को आरएमसी गुवाहाटी का दौरा किया। उन्हें सतही वेधशाला, ए डब्ल्यू एस और ए आर जी पर प्रदर्शन दिया गया।

एम.सी. चंडीगढ़ ने 14 फरवरी, 2022 को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना के छात्रों और शोधार्थियों का दौरा किया और उन्हें मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में जानकारी दी। श्री मनमोहन सिंह, वैज्ञानिक, 'एफ' ने आगंतुकों को व्याख्यान दिया।

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज के लगभग उन्नीस (19) छात्रों ने 15 मार्च, 2022 को "**सेंट्रल हाइड्रोमेट वेधशाला**" का दौरा किया।

आर सी टेक्निकल, अहमदाबाद के इकसठ (61) छात्रों ने मौसम केंद्र अहमदाबाद का दौरा 25 मार्च, 2022 को किया और उन्हें, एम.सी. के वैज्ञानिक द्वारा आईएमडी के कामकाज के बारे में जानकारी दी गई।